BROCHURE

!!! Namo Tassa Bhagavato Arahato Sammāsambuddhassa !!!
One Day International Webinar
Congregation of All Religions
सर्वधर्म समागम
PĀLI SOCIETY OF INDIA
SUKHĀ SADDHAMMA DESANĀ
Topic
"Role of Religion in Social Harmony"
सामाजिक सौहार्द में धर्म की भूमिका
On
June 14, 2020 (Sunday)
Time: 02:00 P.M. to 05:20 P.M.
Organized by
Pāli Society of India (PSI)
For more information, please visit
Website : www.palisocietyofindia.in

Program (14th June 2020, Sunday)

Time: 2:00 P.M. to 05:20 P.M.

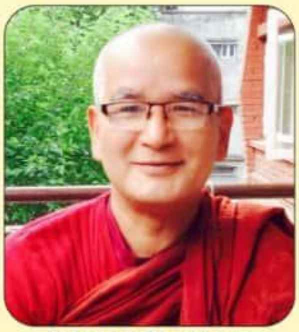

Word of Blessings
Ven. Bhikkhu Maitri Mahathero
Chairman
Akhil Nepal Bhikkhu Sangha
Kathmandu (Nepal)

Presidential Speech
Hon'ble Prof. Rajaram Shukla
Vice-Chancellor
Sampurnanand Sanskrit University,
Varanasi (India)

Chief Guest
Hon'ble Prof. Dr. Hridaya Ratna Bajracharya
Vice-Chancellor
Lumbini Buddhist University
Lumbini (Nepal)

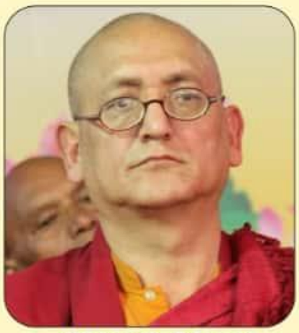

Welcome Speech
Dr. Ramesh Chandra Negi
Vice President- Pali Society Of India
Department of Hetu and Adhyatm
Central University of Tibetan Studies
Sarnath, Varanasi (India)

Chief Speaker
Prof. Bimalendra Kumar
Head- Department of Pali
& Buddhist Studies
Banaras Hindu University
Varanasi (India)

Keynote Address
Prof. Ramesh Prasad
General Secretary- Pali Society of India
Dean- Faculty of Shraman Vidya
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi (India)

Buddha Vandana
Bhikkhu Gyanalok Thero
Member- Pali Society of India
& Chief Abbot- Buddha Vihara,
Maha Bodhi Society of India
Risaldar Park, Lucknow (India)

Buddha Vandana
Dr. Bhikkhu Dharmapriya Thero
Treasurer- Pali Society of India
& Pali Lecturer in
Maha Bodhi Inter College, Sarnath
Varanasi (India)

Speaker (For **Hinduism**)
Prof. Hari Prasad Adhikari
Head- Department of
comparative religion & philosophy
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi (India)

Speaker (For **Islam**)
Prof. Mohd. Reyaz Ahmad
Department of Urdu
University of Jammu
Jammu (India)

Speaker (For **Sikkhism**)
Prof. Harpal Singh Pannu
Former Head
Department of Religious Studies
Punjabi University, Patiala (India)

Speaker (For **Christianity)**
Dr. Chandrakant Kumar
Director
Maitri Bhawan Inter religious dailouge center
Bhelupur, Varanasi (India)

Speaker (For **Jainism)**
Prof. Anekant Jain
Head- Department of Jain Philosophy
Shree Lal Bahadur Shastri
Rashtriya Sanskrit University
New Delhi (India)

Speaker (For **Buddhism)**
Dr. Ven. Tejawaro Thero
Assistant Abbot
Golden Mountain Temple
Kaohsiung (Taiwan)

Vote of Thanks
Dr. Gyanaditya shakya
PSI Member & Assistant Professor
School of Buddhist Studies & Civilization
Gautam Buddha University
Greater Noida
Gautam Buddha Nagar (India)

Host
Dr. Bhikkhu Nand Ratan Thero
Secretary- Pāli Society of India
& Chief Abbot
Sri Lanka Buddha Vihar
Kushinagar (India)

Note :-
Download the webex meet app. on PC or mobile to attend the Webinar. Fill the registration form (without fee) to secure your seat in the webinar. The joining link will be sent to your mail id/whatsapp no.
on
14th June 2020
at 01.30 P.M.

International Webinar on Congregation of All Religions
(Sarva Dharma Samagam)

June 14, 2020

2:00 PM to 6:00 PM

शुद्ध आचरण व सदाचार ही हैं धर्म के चिन्ह

सर्वधर्म समागम समारोह में विद्वानों ने रखे अपने विचार

वाराणसी। लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल के कुलपति प्रो. हृदय रतन वज्राचार्य ने कहा कि शुद्धाचरण एवं सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिन्ह हैं। एक दूसरे के प्रति सहिष्णु होना ही धर्म का सत्य स्वरूप है। वह रविवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित सर्वधर्म समागम समारोह को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

सामाजिक सौहार्द में सामाजिक भूमिका विषयक वेबिनार में बीएचयू के पाली विभागाध्यक्ष प्रो. विमलेंद्र ने कहा कि जब हमारा मन स्वस्थ रहता है तब समाज में सौहार्द एवं समरसता के लिए हम व्याकुल हो जाते हैं। श्रमण विद्या संकाय के अध्यक्ष प्रो. रमेश प्रसाद ने कहा कि विचारों के प्रवाह में कई धर्मों का प्रादुर्भाव हुआ। लोगों के कल्याणार्थ ही महापुरुष धरती पर आते रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल ने कहा कि सभी धर्मों के मूल में सौहार्द का भाव ही है। कोई भी धर्म द्वेष करना नहीं सिखाता। हर जीव सुख चाहता है जीवन सभी प्राणियों को प्रिय है।

अखिल नेपाल भिक्षु संघ के अध्यक्ष भदंत मैगे महावेरो ने कहा कि परस्पर सम्मान से ही सद्भाव संभव है। इस दौरान प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी, प्रो. अनेकांत जैन, प्रो. मुहम्मद रियाज अहमद, प्रो. हरपाल सिंह पल्लू, डॉ. चन्द्रकांत कुमार एवं भदंत तेजवेरो थेरो ने अपने विचार व्यक्त किए। ब्यूरो

Hridaya Ratna Bajracharya, VC, ...
DR
Dr. Bhikkhu Nand Ra... (Host)
Hridaya Ratna Bajracharya, VC, L...
Rajaram Shukla
Prof. Ramesh Prasad
Dr. Teja
Bhante Gyanalok
Start a search
ENG
17:53
14-06-2020

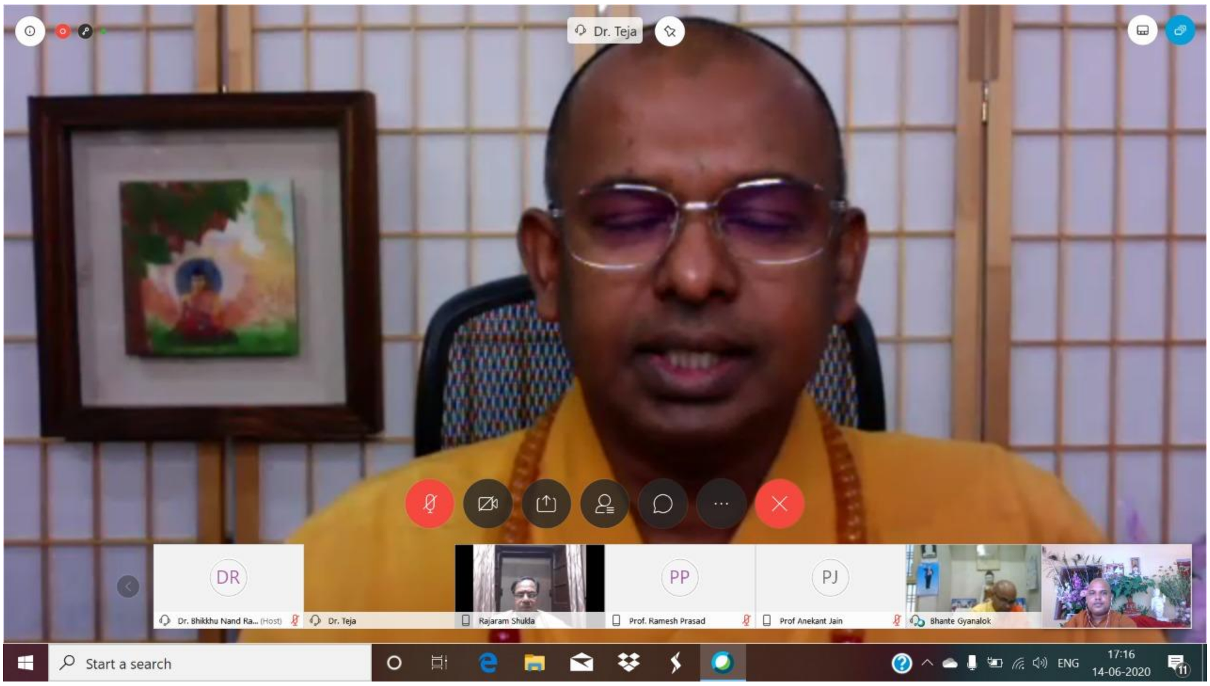
Dr. Teja
DR
PP
PJ
Dr. Bhikkhu Nand Ra... (Host)
Dr. Teja
Rajaram Shukla
Prof. Ramesh Prasad
Prof Anekant Jain
Bhante Gyanalok
Start a search
ENG
17:16
14-06-2020

एक दूसरे के प्रति सहिष्णु होना ही धर्म का स्वरूप

वाराणसी : लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय (नेपाल) के कुलपति प्रो. हृदय रतन बज्राचार्य ने कहा कि शुद्धाचरण एवं सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिह्न हैं। एक दूसरे के प्रति सहिष्णु होना ही धर्म का सत्य स्वरूप है। वह रविवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन आयोजित सर्वधर्म समागम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सामाजिक सौहार्द में सामाजिक भूमिका विषयक वेबिनार के मुख्य वक्ता पाली विभाग, बीएचयू के अध्यक्ष प्रो. विमलेंद्र ने कहाकि मन सभी प्रवृत्तियों में अग्रगामी है। अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल ने की। वेबिनार में पाली सोसाइटी ऑफ इंडिया के महासचिव प्रो. रमेश प्रसाद, भदंत मैगे महावेरो, प्रो हरिप्रसाद अधिकारी सहित अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। (जासं)

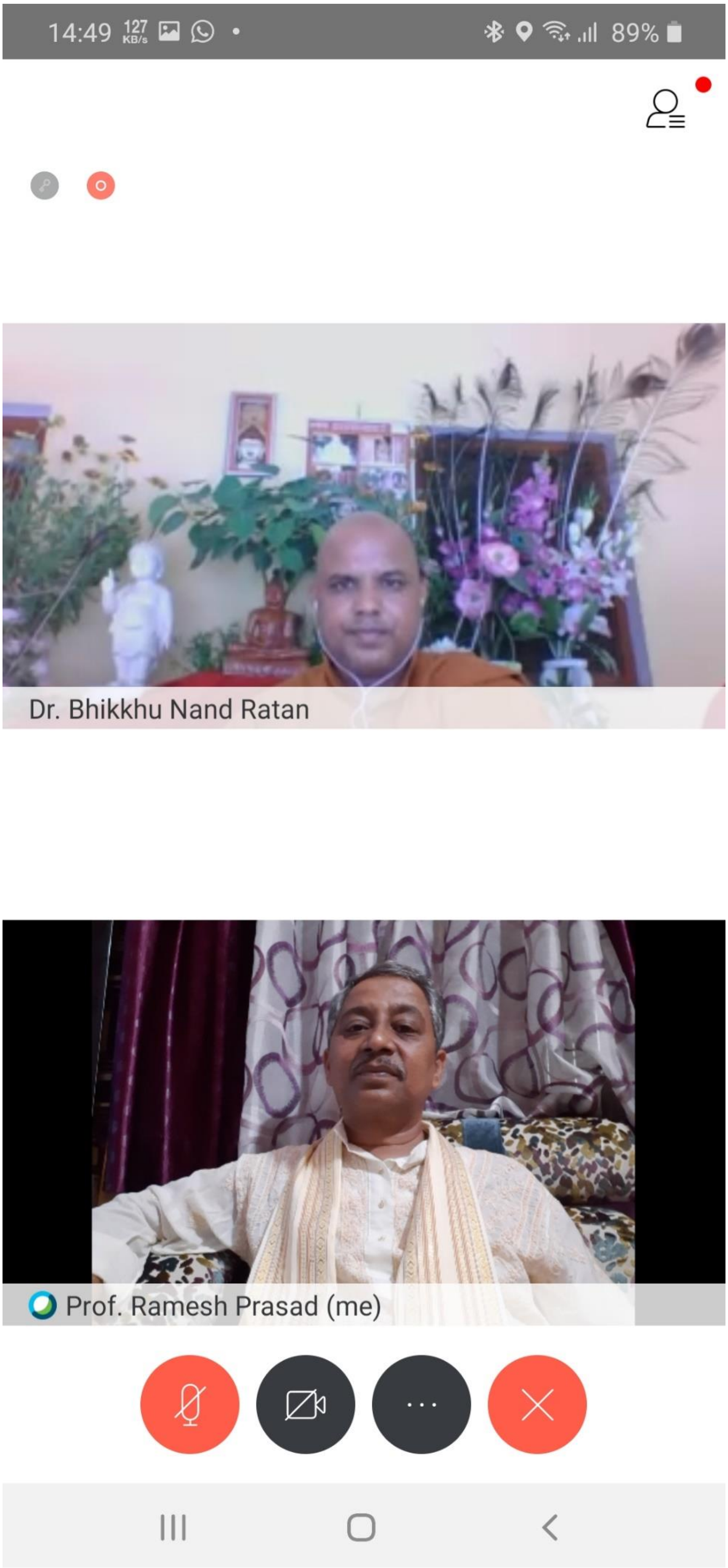
14:49
89%
Dr. Bhikkhu Nand Ratan
Prof. Ramesh Prasad (me)

मानव में होती है संवेदनशीलता-प्रोफेसर हृदय रतन

लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी (नेपाल) के वाइस चांसलर प्रोफेसर हृदय रतन बज्राचार्य ने कहा कि मानव में संवेदनशीलता होती है इसलिये वह अन्य जीवों से अलग होता है,

सम्पूर्णानन्द में लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, (नेपाल) के वाइस चांसलर के विचार

सदैव सर्व धर्म एवं सदाचारी भाव में अपने को स्थापित करना चाहिये। प्रोफेसर बज्राचार्य सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में 'सामाजिक सौहार्द में सामाजिक भूमिका) विषयक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि शुद्धाचरण एवं सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिन्ह हैं। एक दूसरे के प्रति सहिष्णु होना ही धर्म का सत्य स्वरुप है। मुख्य वक्ता के रुप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पाली विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विमलेन्द्र ने कहा कि मन सभी

प्रवृत्तियों अग्रगामी है। जब हमारा मन स्वस्थ रहता है तब समाज मे सौहार्द एवं समरसता के लिये हम व्याकुल हो जाते हैं। पाली सोशायटी ऑफ् इंडिया के महासचिव एवं श्रमण विद्या संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर रमेश प्रसाद ने कहा कि विचारों के प्रवाह में कई धर्मों का प्रादुर्भाव हुआ। हर धर्म में मैत्री और करुणा का भाव निहित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये वाइस चांसलर प्रोफेसर राजाराम शुक्ल ने कहा कि जीवो और जिने दो के विचार से ही समाज में सौहार्द की स्थापना हो सकती है। इस अवसर पर प्रोफेसर हरिप्रसाद अधिकारी, प्रोफेसर अनेकांत जैन, प्रोफेसर मुहम्मद रियाज अहमद, प्रोफेसर हरपाल सिंह पल्लू, डॉक्टर चन्द्रकांत कुमार, डॉक्टर रमेश चन्द्र नेगी एवं मदन्त तेजवेरो थेरो ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन मिथु रतन थेरो एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञाना दित्य शाक्य ने किया।

शुद्ध आचरण व सदाचार धर्म के स्पष्ट चिन्ह

ससंविवि में सर्वधर्म समागम का आयोजन

वाराणसी (काशीवार्ता)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के तत्वावधान में रविवार को वेबिनार के माध्यम से 'सर्वधर्म समागम' का आयोजन किया गया। जिसमें 'सामाजिक सौहार्द में सामाजिक भूमिका' विषयक बतौर मुख्य अतिथि लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल के कुलपति प्रो.हृदय रतन बज्राचार्य ने कहा कि शुद्धाचरण एवं सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिन्ह हैं। एक दूसरे के प्रति सहिष्णु होना ही धर्म का सत्य स्वरुप है। मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो.विमलेन्द्र ने कहाकि मन सभी प्रवृत्तियों अग्रगामी है। पाली सोशायटी

ऑफ इंडिया के महासचिव एवं श्रमण विद्या संकाय के अध्यक्ष प्रो.रमेश प्रसाद ने बीज वक्तव्य देते हुये कहा कि विचारों के प्रवाह में कई धर्मों का प्रादुर्भाव हुआ। अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो.राजाराम शुक्ल ने कहा कि सभी धर्मों के मूल में सौहार्द का भाव ही है, कोई भी धर्म द्वेष करना नही सिखाता। अखिल नेपाल भिक्षु संघ के अध्यक्ष डॉ भदंत मैगे महावेरो ने कहाकि परस्पर सम्मान से ही सद्भाव सम्भव है। प्रो.हरिप्रसाद अधिकारी, प्रो.अनेकांत जैन, प्रो.मुहम्मद रियाज अहमद ने अपने विचार व्यक्त किये। स्वागत मदन्त ज्ञानलोक थेरो ने धन्यवाद ज्ञापन लामा डॉ रमेश चन्द्र नेगी व डॉ ज्ञाना दित्य शाक्य ने तथा संचालन मिथु रतन थेरो ने किया।

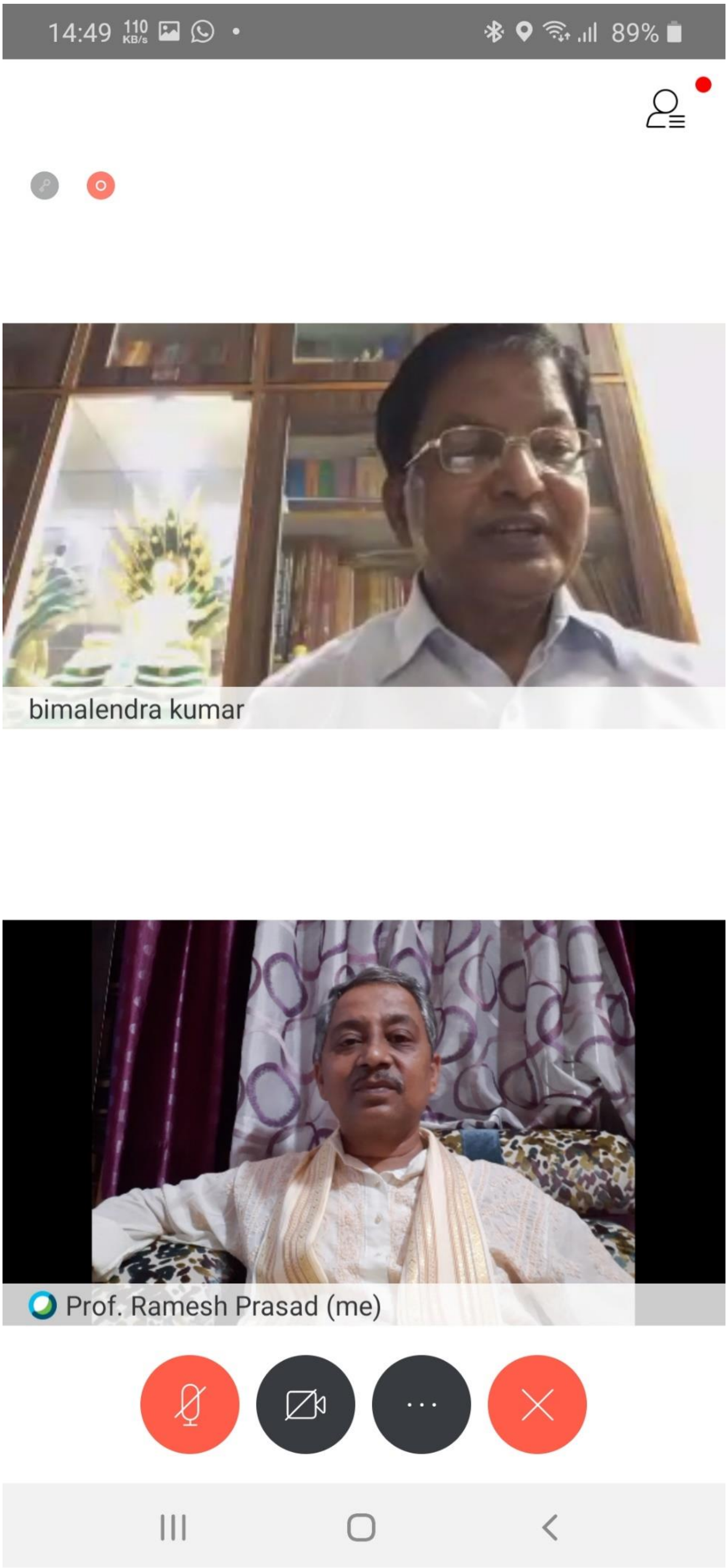
14:49
89%
bimalendra kumar
Prof. Ramesh Prasad (me)

राष्ट्रीय सहारा 15-6-2020

हर धर्म में मैत्री और करुणा का भाव निहित

वाराणसी (एसएनबी)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा सर्वधर्म समागम का आयोजन किया गया जिसमें सामाजिक सौहार्द में सामाजिक भूमिका विषयक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्य अतिथि लुम्बिनी बौद्ध विवि लुम्बिनी(नेपाल) के कुलपति प्रो हृदय रतन वज्राचार्य ने कहा कि शुद्धाचरण एवं सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिन्ह है। एक दूसरे के प्रति सहिष्णु होना ही धर्म का सत्य स्वरुप है। मुख्य वक्ता बीएचयू पाली विभागाध्यक्ष प्रो विमलेन्द्र ने कहाकि मन सभी प्रवृत्तियों अग्रगामी है। जब हमारा मन स्वस्थ रहता है तब समाज मे सौहार्द एवं समरसता के लिये हम व्याकुल हो जाते है। पाली सोशायटी ऑफ़ इंडिया के महासचिव एवं श्रमण विद्या संकाय के अध्यक्ष प्रो रमेश प्रसाद ने बीज वक्तव्य देते हुये कहा कि विचारों के प्रवाह में कई धर्मो का प्रादुर्भाव हुआ। हर धर्म में मैत्री और करुणा का भाव निहित है।

वेबिनार की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो राजाराम शुक्ल ने कहा कि सभी धर्मो के मूल में सौहार्द का भाव ही है,कोई भी धर्म द्वेष करना नही सिखाता। 'जीयो और जिने दो' के विचार से ही समाज में सौहार्द की स्थापना हो सकती है।

अखिल नेपाल भिक्षु संघ,नेपाल के अध्यक्ष डॉ आशीर्वचन देते हुये भदंत मैंगे महाथेरो ने कहा कि परस्पर सम्मान से ही सद्भाव सम्भव है ऐसे आयोजनों समाज को एक नई दिशा मिलेगी। अन्य वक्ताओं प्रो हरिप्रसाद अधिकारी,प्रो अनेकांत जैन, प्रो मुहम्मद रियाज अहमद, प्रो हरपाल सिंह पल्लू, डॉ चन्द्रकांत कुमार एवं भदन्त तेजवेरो थेरो ने अपने विचार व्यक्त किये। वेबिनार के प्रारम्भ में मदन्त ज्ञानलोक थेरो ने बुद्ध वन्दना से किये,स्वागत भाषण लामा डॉ रमेश चन्द्र नेगी,धन्यवाद ज्ञापन डॉ ज्ञाना दित्य शाक्य ने किया तथा संचालन मिथु रतन थेरो ने किया।

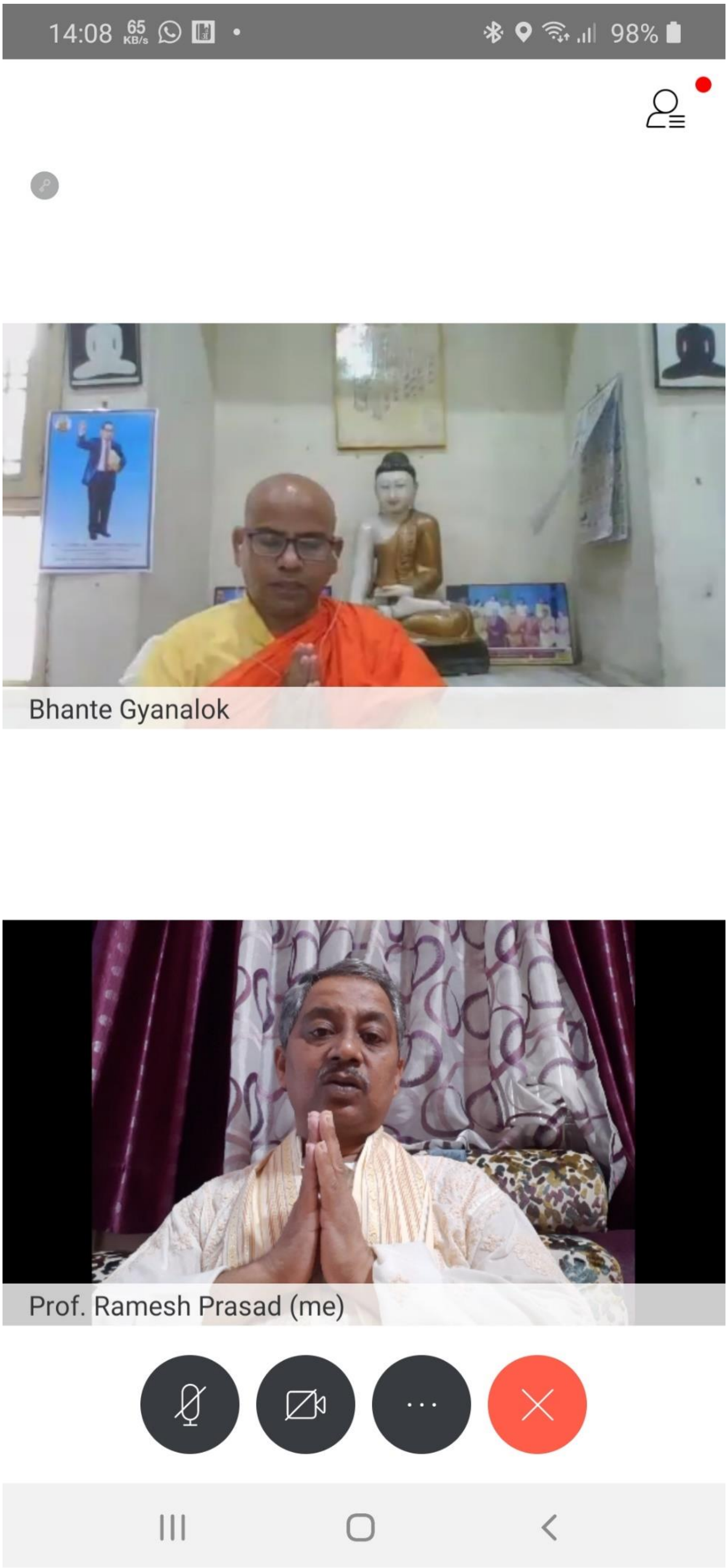
14:08
65 KB/s
98%
Bhante Gyanalok
Prof. Ramesh Prasad (me)

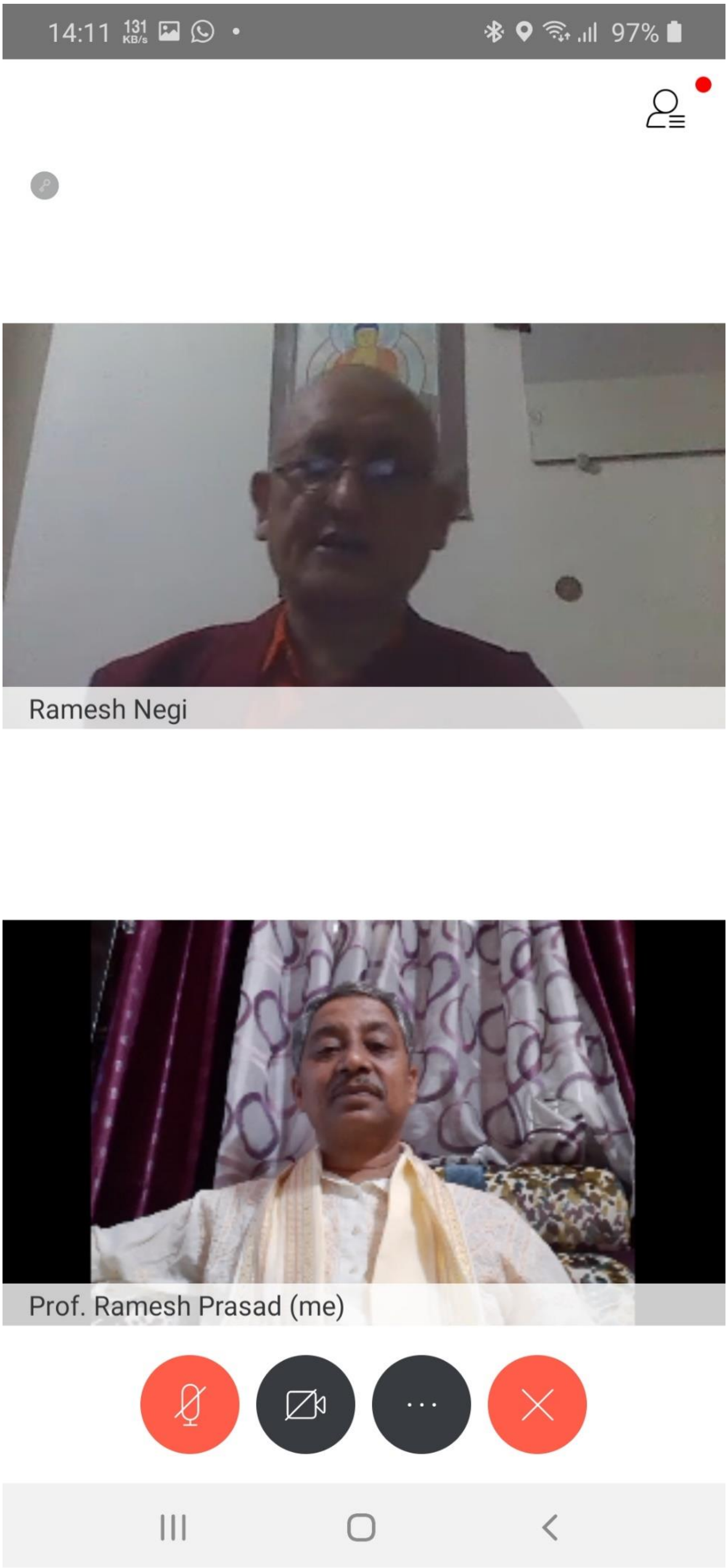
14:11
131 KB/s
97%
Ramesh Negi
Prof. Ramesh Prasad (me)

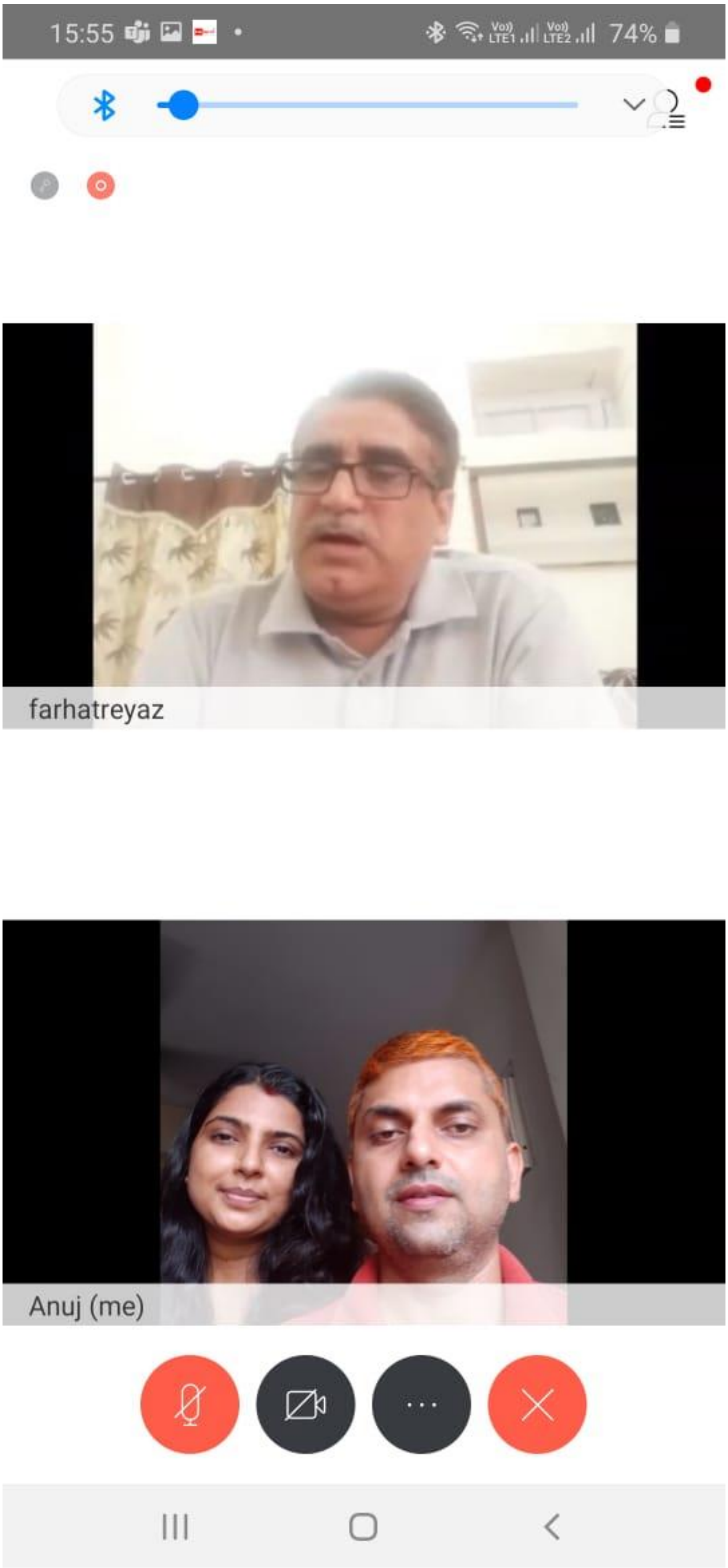
15:55
74%
farhatreyaz
Anuj (me)

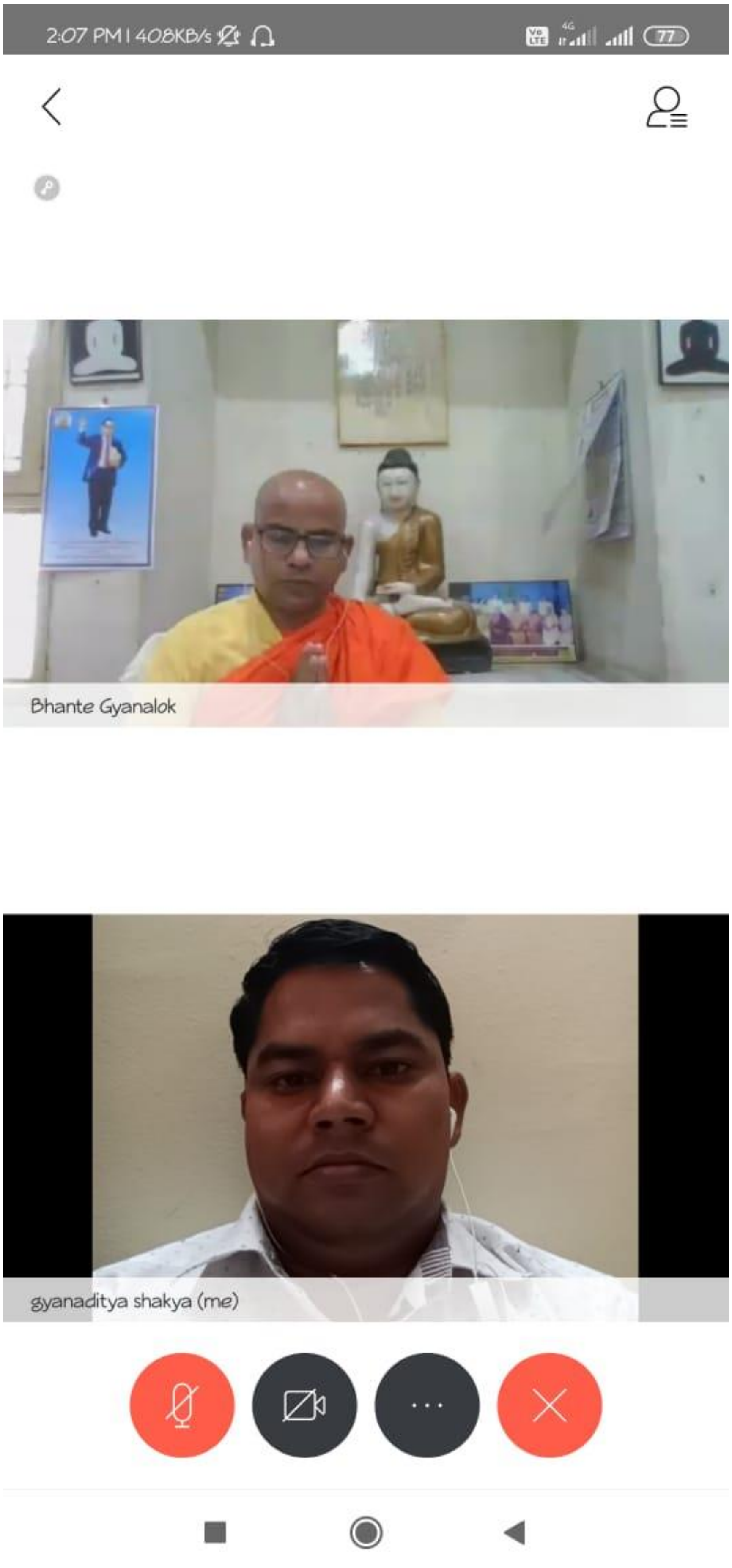
2:07 PM | 408KB/s
77
Bhante Gyanalok
gyanaditya shakya (me)

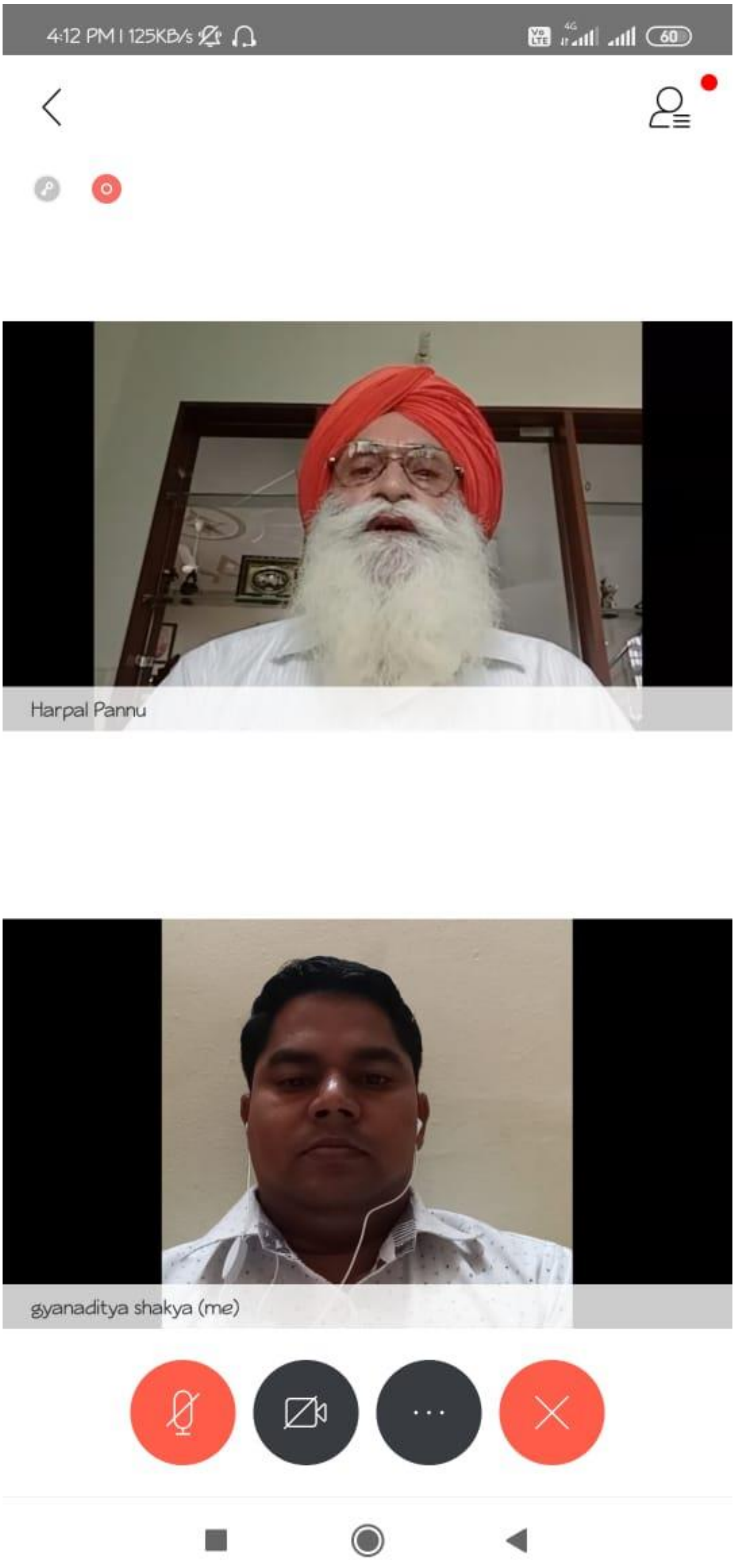
4:12 PM | 125KB/s
60
Harpal Pannu
gyanaditya shakya (me)

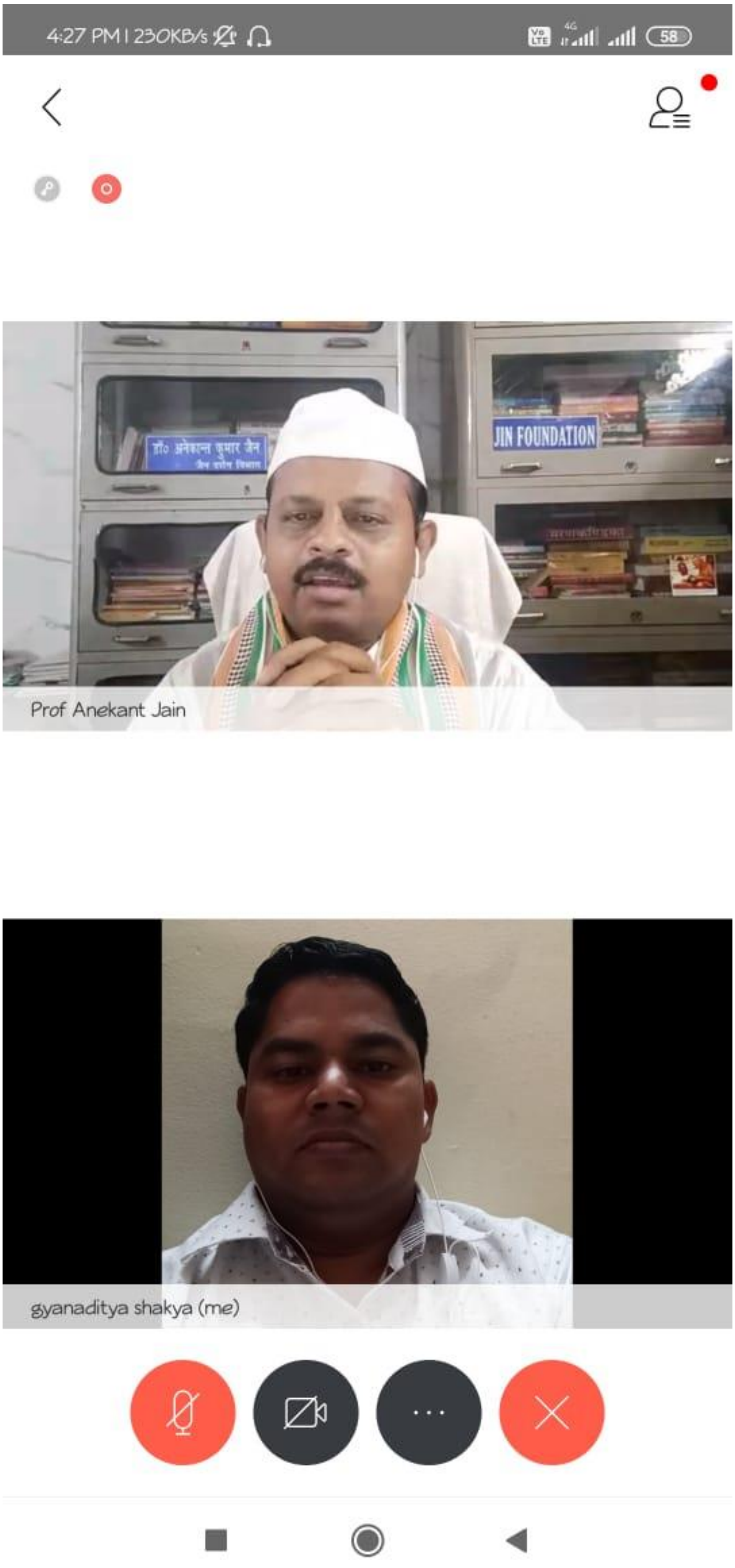
4:27 PM | 230KB/s
JIN FOUNDATION
Prof Anekant Jain
gyanaditya shakya (me)

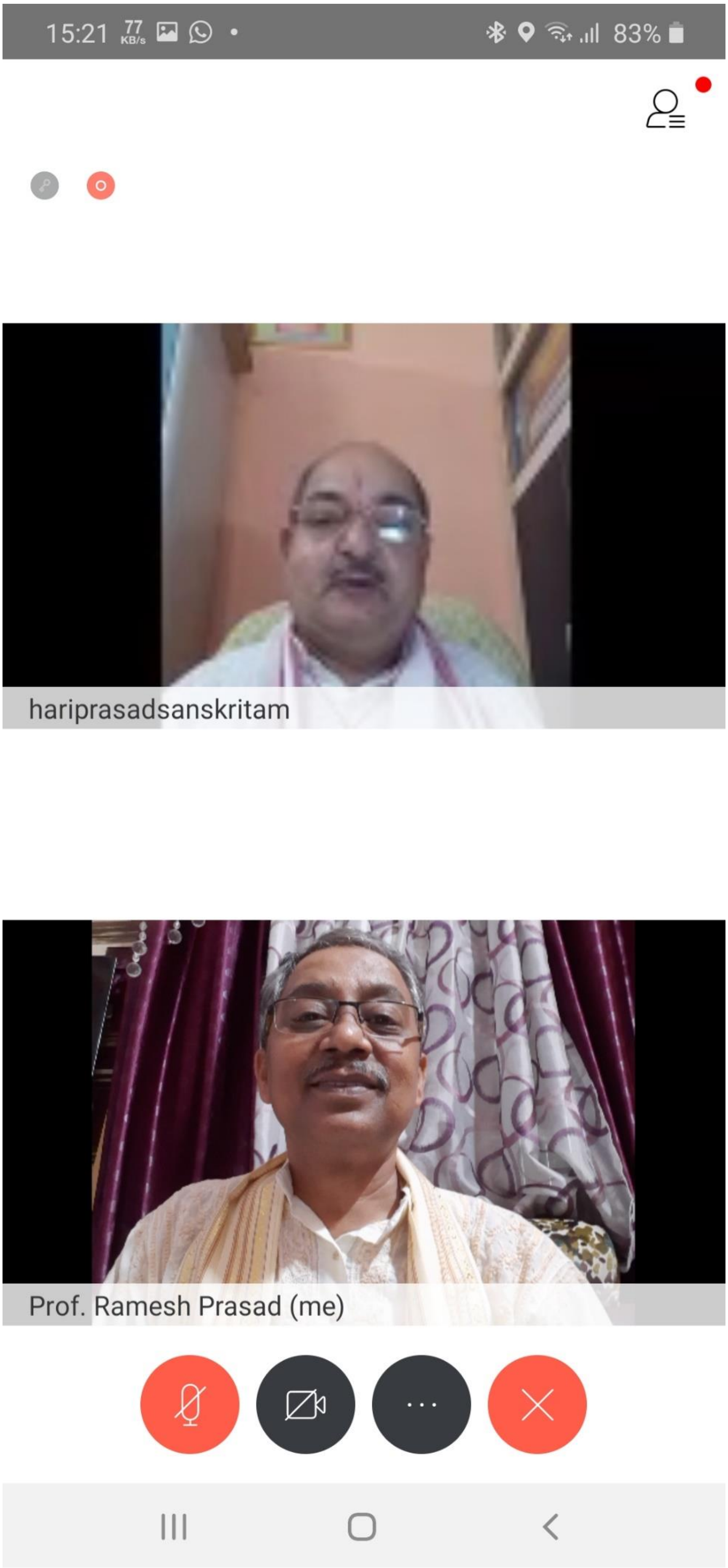
15:21
83%
hariprasadsanskritam
Prof. Ramesh Prasad (me)